सांध्य दैनिक 4PM

आपकी अच्छाई आपके मार्ग में बाधक है, इसलिए अपनी आंखों को क्रोध से लाल होने दीजिये, और अन्याय का सामना मजबूत हाथों से कीजिए।
–लौह पुरुष सरदार पटेल

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 224 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 22 सितम्बर, 2026

जहीर खान बने चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य... 7 | राजस्थान के बाद गुजरात में... 3 | भाजपा हर मोर्चे पर विफल... 2

सुशासन का टैग, नहीं सुनाई देती नाबालिगों की चीख!

योगी के यूपी से रेखा गुप्ता की दिल्ली तक सवाल दर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुशासन का टैग चमक रहा हो और उसी टैग के नीचे किसी छह साल की बच्ची की चीख दब जाए तो सवाल उठेगा ही। अगर राजधानी दिल्ली में मंदिर से दर्शन करके निकली 17 साल की किशोरी को कुछ लोग खुद को पुलिसकर्मी बताकर दुष्कर्म करें तो सवाल सिर्फ उन आरोपियों से नहीं होगा बल्कि सवाल उस सुरक्षा व्यवस्था से भी होगा जिसके भरोसे राजधानी की सड़कें और सार्वजनिक जगहें छोड़ी जाती हैं।

दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास आस्था कुंज पार्क में सामने आयी घटना में पुलिस के मुताबिक तीन लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया किशोरी और उसके दोस्त को धमकाया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले में एक आरोपी आसिफ को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करने की बात कही है जबकि दो अन्य की तलाश जारी है।

रेप दर रेप से सहम उठा दिल्ली से जमुई तक का इलाका

यूपी में गन्ने के खेत बने सुरक्षित पनागाह

दिल्ली हो या फिर यूपी दोनों जगह बीजेपी की सरकारें हैं और महिला सुरक्षा के बड़े बड़े दावे राजनीतिक मंचों से किये गये लेकिन बेटियों की इस्तमत बचाने में अभी तक सभी सरकारे विफल रही। चलती बस में बलात्कार के बाद कड़े कानून बने आरोपियों को फांसी के फंदे तक पहुंचाने की सभी सीढ़ियां दुरूस्त की गयी। लेकिन बड़ा सवाल यही है कि अपराधियों को अभी भी इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देने में खौफ नहीं हो रहा। बताइये खुद को पुलिस बता कर रेप किया जाना कोई मामूली घटना नही होतीं वही यूपी में गन्ने के खेत नाबालिगों के रेप की सुरक्षित पनागाह लंबे अरसे से बने हुए है। एक दो नहीं न जाने कितने रेप गन्ने के खेतों में हो चुके हैं कुछ प्रकाश में आते हैं और कुछ वहीं खेतों में दब जाते हैं। लेकिन सीतापुर की ताजा वारदात वास्तव में दिल दहला देने वाली है। वह भी तब जब यूपी में चुनावी बिगुल बज चुका हो और सार्वजनिक मंचों से महिला सुरक्षा पर बड़े बड़े दावे किये जा रहे हो। दिल्ली में हो या लखनऊ में, चुनावी राजनीति में कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा हमेशा बड़े दावों का हिस्सा रही है। सरकारें अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तेज पुलिस कार्रवाई और कानून का राज अपनी उपलब्धियों में गिनाती हैं। लेकिन किसी सरकार के लिए असली परीक्षा प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताए गए एनकाउंटर से पहले शुरू होती है।

दिल्ली में सवाल सिर्फ रेप का नहीं

कालकाजी मंदिर कोई सामान्य सुनसान इलाका नहीं है। यह दिल्ली का प्रमुख धार्मिक स्थल है आसपास भीड़ रहती है और मंदिर तथा इस्कॉन मंदिर के आसपास लोगों की आवाजाही रहती है। इसके बावजूद पास के पार्क में किशोरी के साथ गैंगरेप की घटना सामने आना बड़े सवाल पैदा करती है मीडिया और जानकारों ने इस घटना को सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से गंभीर सवालों से जोड़ा है। किसी अपराधी द्वारा पुलिसकर्मी होने का दावा करना केवल पीड़ित को डराने की कोशिश नहीं है। इससे पुलिस की संस्थागत पहचान का दुरुपयोग भी होता है। अगर कोई व्यक्ति सिर्फ यह कहकर किसी किशोर या किशोरी को डरा सकता है कि वह पुलिसकर्मी है तो सवाल यह है कि आम नागरिक वास्तविक पुलिस और फर्जी पुलिस में फर्क कैसे करेगा यह सवाल खास तौर पर नाबालिगों के मामले में और गंभीर हो जाता है।

योगी के राज में बलात्कार

वहीं उत्तर प्रदेश के सीतापुर की तस्वीर देखिए यहां छह साल की मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक बच्ची को बहला फुसलाकर गन्ने के खेत में ले जाया गया और उसके साथ रेप हुआ। घटना के बाद मुकदमा दर्ज हुआ टीमें बनीं और पुलिस ने आरोपी अवधराम उर्फ भोलेशंकर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। दोनों घटनाओं का भूगोल अलग है एक देश की राजधानी में दूसरी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाके में घटित घटना है। एक पीड़िता 17 साल की है तो दूसरी महज छह साल की एक मामले में आरोपियों ने पुलिस होने का झूठा दावा करके भरोसे को हथियार बनाया दूसरे में बच्ची को बहला फुसलाकर खेत तक ले जाया गया। दोनों घटनाएं एक ही सवाल को सामने खड़ा कर रही है कि आखिरकार बच्चियों की सुरक्षा आखिर किसके भरोसे है?

सुशासन मतलब महिलाएं सुरक्षित घर लौटें

दिल्ली में एक आरोपी की गिरफ्तारी और बाकी दो की तलाश जारी और यूपी में अपराधी को लंगड़ा कर गिरफ्तार किया जाने के बाद एक सवाल बचता है कि क्या डर अपराधी के मन में पैदा हुआ या फिर अपराध होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई यही वह जगह है जहां सुशासन शब्द सिर्फ राजनीतिक नारा नहीं रह जाता वह एक कसौटी बन जाता है। क्योंकि किसी बच्ची के लिए सुशासन का मतलब यह नहीं कि अपराध के बाद आरोपी को पकड़ लिया गया। उसके लिए सुशासन का पहला मतलब है वह सुरक्षित घर से निकले सुरक्षित लौटे और रास्ते में उसे किसी वर्दी किसी दबंगई या किसी सुनसान जगह से डरना न पड़े। और यही वजह है कि दिल्ली और सीतापुर की यह दोनों घटनाएं अलग अलग एफआईआर होते हुए भी एक बड़े सवाल में बदल जाती हैं।

भाजपा हर मोर्चे पर विफल, पर नकारात्मक प्रचार पर करोड़ों खर्च करने में सफल : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख- जारी रहेगा कांग्रेस से गठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का भाजपा और आरएसएस पर हमला जारी है। सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी पार्टी 27 में रिकॉर्ड सीटें जीत कर सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि जो आज प्रदेश को बांटने की बात कर रहे हैं, वही कल देश को बांटना चाहेंगे। इसके पीछे आरएसएस का हाथ है। हमें तो देश और प्रदेश को और ताकतवर बनाना है। भाजपा हर मोर्चे पर विफल है, इसलिए नकारात्मक प्रचार पर करोड़ों खर्च कर रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के पास महंगाई व बेरोजगारी का कोई समाधान नहीं है। कानून-व्यवस्था ध्वस्त है और भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा सरकार ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण की लूट की है। सपा ने 11 हजार पदों की लूट पर ऑडिट रिपोर्ट जारी की थी, लेकिन उसने एक भी पन्ने का जवाब नहीं दिया। कहा, प्रदेश में 20 से ज्यादा परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। सरकार ने आउटसोर्स को बढ़ावा देने के लिए जानबूझकर भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक कराए। सरकारी नौकरी में आरक्षण देना पड़ता है। वेतन बजट से देना होता है। आउटसोर्स में वेतन एजेंसी से दिया जाता है। इसमें भाजपा के लोग आउटसोर्स कंपनियों से कमीशन लेते हैं।

समाजवादी रथ देख घबरा गए हैं विरोधी

अखिलेश ने समाजवादी रथ के रंग को लेकर उठ रहे सवालों पर कहा कि गलत प्रचार करने वालों को रथ का लाल रंग नहीं दिख रहा है। उनका चश्मा ठीक नहीं है। अभी तो रथ डीजल भरवाने गया था, तभी विरोधी घबरा गए। कहा, चुनाव ड्यूटी में पीडीए के अधिकारियों को दूर रखा जा रहा है। चुनाव आयोग से इसकी शिकायत करें। कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार लखनऊ में किन बीएलओ से मिले, उनकी सूची जारी की जानी चाहिए।

ओवैसी का प्रस्ताव ठुकराया

भाजपा को हराने के लिए बीते दिनों एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की ओर से दलों को साथ आने के आमंत्रण के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि हमारा पहले से जो गठबंधन है, वही रहेगा। उनका इशारा कांग्रेस की ओर था।

निगेटिव प्रचार रोकने के लिए बने कानून

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा जिस तरह का निगेटिव प्रचार करती है, उसे रोकने के लिए कानून बने। हमारी सरकार बनने पर ऐसा कानून लाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार बहुमत में नहीं है, तब भी वह संविधान की धज्जियां उड़ाती है। भाजपा सरकार कानून की परवाह नहीं करती है। हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट समय-समय पर सरकार के खिलाफ आब्जर्वेशन (टिप्पणी) दे रहा है। इस सरकार को न्यायालय पर भरोसा नहीं है और लोगों की जान ले रही है। सपा सरकार बनने पर महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये और स्वरोजगार के लिए 2 लाख रुपये देने की घोषणा एक बार फिर की।

सरकार बनने पर गायों के लिए करेंगे विशेष प्रबंध

अखिलेश ने कहा कि कार्यकर्ताओं के साथ सोमवार को बैठक करके विधानसभा की आरक्षित सीटों को जीतने की रणनीति बनाई है। हाथरस की बेटी के परिवार को अभी भी न्याय नहीं मिला। खजनी में पुलिस की पिटाई से निर्दोष की जान चली गई। नकली दवाओं और कमीशनखोरी में भाजपा के लोग शामिल हैं। कहा, जो सरकार घोड़े के खाने में दलाली कर ले, उससे क्या उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर गायों की सेवा के लिए विशेष प्रबंध करेंगे।

सपा प्रमुख की अयोध्या पर नजर : पाल

» जनपद में पीडीए फॉर्मूले को ध्यान में रखते कई को अहम जिम्मेदारी दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी ने अयोध्या महानगर संगठन में बड़ा बदलाव किया है सपा मुखिया अखिलेश यादव ने यहां पीडीए फॉर्मूले को ध्यान में रखते हुए बड़े चेहरों को अहम जिम्मेदारी दी है। जिसके तहत श्याम कृष्ण श्रीवास्तव को अयोध्या महानगर का अध्यक्ष नियुक्त किया है। सपा ने इससे संबंधित जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दी है। उत्तर प्रदेश समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मंजूरी के बाद श्याम कृष्ण श्रीवास्तव को पार्टी का अयोध्या महानगर का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके साथ ही चंद्र यादव को महानगर उपाध्यक्ष और हामिद जाफर मीसम को महासचिव बनाया गया है। श्यामलाल पाल ने कहा कि ये फैसला सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की सहमति से लिया गया है। अयोध्या में सपा के संगठन में किया गया ये बदलाव आगामी चुनाव के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। श्याम कृष्ण श्रीवास्तव सवर्ण समाज से आते हैं। जबकि चंद्र यादव ओबीसी और हामिद जाफर अल्पसंख्यक समाज से आते हैं। ऐसे में इन नई नियुक्तियों को सपा के पीडीए फॉर्मूले से जोड़कर भी देखा जा रहा हैसपा नेता श्याम कृष्ण श्रीवास्तव अयोध्या के ही महाजनीटोला के रहने वाले हैं काफी समय से सपा के साथ जुड़े हुए हैं। इससे पहले भी वो अयोध्या महानगर अध्यक्ष रह चुके हैं। वहीं चंद्र यादव यहां के वासुदेव घाट के रहने वाले और हामिद जाफ़र मीसम राठहवेली क्षेत्र के रहने वाले हैं और अयोध्या से ज़मीन स्तर पर जुड़े हुए है। अयोध्या में सपा संगठन में इस बदलाव को आगामी विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी ज़मीन स्तर पर अपने संगठन को मज़बूत करने में जुटी हुई है। अयोध्या महानगर में नामित किए ये पदाधिकारी इसी क्रम का एक कदम है

जम्मू-कश्मीर विस में हंगामा, भाजपा ने की नारेबाजी

» विधानसभा अध्यक्ष भी बोल-गुंडागर्दी नहीं चलेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का शरद सत्र शुरू होते ही सदन सियासी टकराव का अखाड़ा बन गया। पहले ही दिन भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने सरकार को घेरते हुए जोरदार नारेबाजी की, सदन के बीचोंबीच पहुंचकर विरोध जताया और रोजगार, बिजली, दैनिक वेतनभोगियों तथा स्वास्थ्य मिशन से जुड़े कर्मचारियों के मुद्दे उठाए। जवाब में सत्तापक्ष ने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली का मुद्दा उछाल दिया।

शोर-शराबा इतना बढ़ा कि विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर को कड़ी चेतावनी देनी पड़ी, गुंडागर्दी नहीं चलेगी। सत्र की शुरुआत दिवंगत पूर्व सदस्यों और मंत्रियों को श्रद्धांजलि के साथ हुई। श्रद्धांजलि की कार्यवाही समाप्त होते ही भाजपा विधायकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा समेत कई सदस्य अपनी सीटों से उठकर विरोध करने लगे और बाद में सदन के बीचोंबीच पहुंच गए। भाजपा ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, दैनिक वेतनभोगियों तथा आउटसोर्सिंग के जरिये होने वाली नियुक्तियों को लेकर सरकार से जवाब मांगा। बिजली की बढ़ी दरों और बुनियादी सुविधाओं का सवाल भी जोर-शोर से उठाया गया। भाजपा के इस विरोध के बीच सत्ता पक्ष ने भी मोर्चा संभाल लिया। नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों ने जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नारे लगाए।

सत्र में जनता की समस्याओं पर बोलें : उमर अब्दुल्ला

वहीं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सत्र को जनता की समस्याओं, आकांक्षाओं और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा का अवसर बताया। लेकिन पहले ही दिन के घटनाक्रम ने साफ कर दिया कि आने वाले दिनों में सरकार और विपक्ष के बीच टकराव तेज रह सकता है। रोजगार, बिजली, आरक्षण, आउटसोर्सिंग, कर्मचारियों का नियमितीकरण और राज्य का दर्जा, ये मुद्दे सदन की कार्यवाही की दिशा तय करने वाले हैं। हालांकि पहले ही दिन जिस तरह हंगामे के बीच सदन को दिनभर के लिए स्थगित करना पड़ा जिससे संकेत मिल रहा है कि सत्र के आने वाले दिन भी हंगामेदार रहने वाले हैं।

विपक्ष पर सदन की कार्यवाही बाधित कर रहा : सुरिंदर चौधरी

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने विपक्ष पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष को मुद्दे एक-एक करके उठाने चाहिए। दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने आरोप लगाया कि उमर अब्दुल्ला सरकार जनता से जुड़े सवालों से बचने की कोशिश कर रही है। उनका कहना है कि बेरोजगार युवाओं, आउटसोर्स कर्मचारियों और दैनिक वेतनभोगियों की समस्याओं पर सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

सपा लगातार रंग बदल रही : मायावती

» अखिलेश के भगवा रंग पर बसपा प्रमुख का निशाना

» बोलीं- मुस्लिम वोटरों से भरोसा उठ गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये सपा पर निशाना साधा। उन्होंने अखिलेश यादव द्वारा संचालित पीडीए रथ के रंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें सपा के लाल रंग के कम और आरएसएस-भाजपा के भगवा रंग के अधिक होने की चर्चा है।

उन्होंने सवाल किया कि क्या सपा लगातार रंग बदलकर मतदाताओं के बीच अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है, या फिर उसे मुस्लिम मतदाताओं से वोट मिलने का भरोसा उठ गया है। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुस्लिम समाज को पिछले चुनावों के अनुभवों से सबक लेना चाहिए। पिछले चुनावों में मुस्लिम समाज के एकतरफा वोट के बावजूद सपा भाजपा को सत्ता में आने से नहीं रोक सकी। ऐसे में बार-बार सपा को वोट देकर अपना वोट खराब क्यों किया जाए? बसपा सुप्रीमो ने अपनी पोस्ट में कानून-व्यवस्था और विकास के मुद्दे पर भी सपा सरकार के कार्यकाल का जिक्र किया। कहा कि बीएसपी के शासन में अपराध नियंत्रण और शांति-व्यवस्था के साथ जनहित, जनकल्याण और विकास के मामलों में बेहतर काम करने का उदाहरण पेश किया गया था। मायावती ने सपा से जनता को यह बताने के लिए कहा कि उसके पीडीए की वास्तविकता क्या है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी स्वार्थ के लिए सपा ने कभी पीडीए को 'पिछड़ा, दलित' तो कभी 'पंडित' बताया। साथ ही अंबेडकरवादी बताने के भी प्रयास किए गए। बीएसपी के नीले रंग के वस्त्र में तस्वीर खिंचवाने का जिक्र करते हुए कहा कि लोगों ने इसे अंबेडकरवादी कहकर स्वीकार नहीं किया।

बामुलाहिज़ा

कार्टून: हसन जैदी

यूपी का बंटवारा हुआ तो खुश होऊंगा : इमरान मसूद

» कांग्रेस से भी उठी राज्य को बांटने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले यूपी के बंटवारे को लेकर एक बार फिर से चर्चाएं तेज हो गई हैं। यूपी के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने यूपी को चार हिस्सों में बांटने की बात कही, जिसके बाद अब कांग्रेस से भी यूपी के बंटवारे की मांग उठी है।

सहारनपुर सीट से सांसद इमरान मसूद ने इसका समर्थन किया है और कहा कि अगर ऐसा होता है तो मुझे बहुत खुशी होगी। ये बहुत बड़ा प्रदेश है और बंटवारे से प्रदेश को फायदा होगा।

इमरान मसूद ने यूपी के बंटवारे को लेकर छिड़ी बहस पर कहा कि अगर यूपी का बंटवारा होता है तो कम से कम मैं तो बहुत खुश होऊंगा कि यूपी का बंटवारा हो जाएगा। और यूपी एक बहुत बड़ा स्टेट हैं अगर इसका बंटवारा हुआ तो निश्चित रूप से इससे प्रदेश के फायदा होगा। यूपी के भौगोलिक नक्शे पर उन्होंने कहा कि बंटवारे का नक्शा कैसा भी बने, अगर आपको यूपी के एक कोने से दूसरे कोने जाना है तो आपको 24 घंटे चलना पड़ता है। दुनिया के बहुत सारे देश यूपी से छोटे हैं। यूपी अपने आप में बहुत बड़ा राज्य है। पश्चिम का अलग बन जाए, पूरब का अलग बन जाए, बुंदेलखंड का अलग बन जाए। इमरान मसूद ने कहा कि पश्चिम के अंदर बहुत दिनों से लोग बंटवारे की मांग कर रहे हैं, सबसे बड़ी बात है कि न्याय पाने के लिए भी 800 किमी दूर जाना पड़ता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

सरकार की हकीकत को दिखा रहे आइना

" सरकारी शिक्षण संस्थाओं से लेकर अन्य महकमों तक में महिला शौचालय न होने की जानकारी सामने आती रहती है। लेकिन जब दूसरों को न्याय दिलाने वाली अदालतों में भी हालत कमोबेश ऐसी ही हो तो चिंता होना स्वाभाविक है।

एकतरफ तो सरकार दावे करती है पूरे देश को स्वच्छता एयर इंडेक्स में राजधानी लखनऊ को नंबर एक बना दिया। पर बरसात के बाद जिस तरह से सड़के व गलिय गंदगी से पटी है वह हकीकत को आईना दिखा रही हैं। गांव गांव में शौचालय बनवा दिया। लोग अब खुल में शौच नहीं करते। इन सबसे अलग शहरों या कस्बों में हमारे देश में कही भी महिलाओं के लिए साफ व सुरक्षित सार्वजनिक शौचालयों का नहीं होना बड़ी व पुरानी समस्या है। ये आंकड़े सरकार की पोल खोल रहे हैं। इस समस्या की वजह से महिलाएं पानी पीना तक कम कर देती हैं, जिससे सेहत से जुड़े नए खतरों की आशंका बढ़ जाती है। शौचालय निर्माण की दिशा में काफी काम होने के बावजूद महिलाओं से जुड़ा यह संकट कम नहीं हुआ है। हमारी सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंकती है। सरकारी शिक्षण संस्थाओं से लेकर अन्य महकमों तक में महिला शौचालय न होने की जानकारी सामने आती रहती है।

लेकिन जब दूसरों को न्याय दिलाने वाली अदालतों में भी हालत कमोबेश ऐसी ही हो तो चिंता होना स्वाभाविक है। सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने देशभर में जिला व निचली अदालतों में चार सप्ताह के भीतर जहां भी जरूरत हो वहां तुरंत शौचालय निर्माण शुरू कराने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कोई पहली बार अदालतों में महिला शौचालयों की कमी की ओर ध्यान दिलाया हो ऐसा नहीं है। सालभर पहले भी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया गया था कि वे शौचालयों के निर्माण व रखरखाव के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित करें। तब भी ऐसे ही मामले की सुनवाई के दौरान यह तथ्य भी सामने आया था कि कई अदालतों में तो महिला जजों तक के लिए पृथक शौचालय नहीं है। ताजा मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि फंड की कमी की कोई दलील सुनी नहीं जाएगी। यदि ऐसा है भी तो शराब व सिगरेट पर अतिरिक्त टैक्स लगाएं, हम उसे सही ठहराएंगे। लेकिन यह विचारणीय विषय है कि हमारी बेटियों की कितनी खराब और दयनीय स्थिति है। बात सिर्फ अदालतों की ही नहीं। जब भी महिलाओं के लिए पृथक शौचालय नहीं होने की बात सामने आती है तो धन की कमी की आड़ ली जाती है। सरकारी दफ्तर हों या फिर सरकारी महकमे अथवा सरकारी स्कूल। सब जगह महिला शौचालयों की उपलब्धता जरूरी है। मुख्य बाजारों व दूसरे सार्वजनिक स्थलों पर यह सुविधा न होने पर महिलाएं कितना असहज महसूस करती होंगी, यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हिमालयी क्षेत्र में उपजे खतरों से सबक सीखने का वक्त

शेखर पाठक

तिब्बत-नेपाल सीमा पर ऊंचे हिमालयी क्षेत्र से आई एक और आपदा ने चेतावनी दे डाली है। ल्हेंदे-खोला नदी रसुवागढ़ी में नेपाल में प्रवेश करती है और केरुंग-खोला (भोटे कोसी) में मिल जाती है। आगे चलकर यह त्रिशूली व फिर नारायणी नदी बन जाती है और चितवन नेशनल पार्क से होकर गंगा में जा मिलती है। 26 अगस्त को सुबह माउंट लांगटांग (7,245 मीटर ऊंचाई) से बर्फ और चट्टान का 0.2 वर्ग किलोमीटर का बड़ा तोदा लंबवत नीचे (2270 मीटर) गिरा। इससे ल्हेंदे खोला के मार्ग में अवरोध पैदा होकर झील बन गई जिसके टूटने पर पानी एवं मलबे की विनाशक बाढ़ आई। मलबे से भरी उग्र नदी नेपाल के घनी आबादी वाले क्षेत्र से गुजरी। त्रिशूली नदी का जलस्तर सिर्फ 30 मिनट में 9-10 मीटर बढ़ गया, जिससे कई गांव व शहर तबाह हो गए। इस बाढ़ में 1350 से ज्यादा जानें चली गई। सरकारी, निजी और सामुदायिक संपत्तियों का भारी नुकसान हुआ। बुनियादी ढांचे और संपत्ति का नुकसान बेहद ज्यादा है।

कुछ ही मिनटों में 14 बड़े हाइड्रो प्रोजेक्ट, 41 पुल, विशालकाय मशीनें, ट्रक, बिजली संप्रेषण तारें और बिजली सब-स्टेशन नष्ट हो गए। अत्यल्प समय में दस लाख क्यूबिक मीटर से ज्यादा मलबा बहा। बाढ़ की रफ्तार 193 किलोमीटर प्रति घंटा आंकी। नेपाल और दूसरे हिमालयी देशों को व्यापक नजरिये से सोचना चाहिए। पहाड़ और नदियां उनकी साझी विरासत हैं। नदियां सीमाओं के आर-पार बहने वाली जीवन-रेखाएं हैं। नेपाल को भूकंप, बर्फ-चट्टान खिसकने और जलवायु आपदाओं से निपटने के लिए असरदार रणनीति बनानी होगी, क्योंकि भविष्य में ऐसी आपदाएं बढ़ेंगी। चीन और भारत से बातचीत की जरूरत है। आपदा नेपाल को अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार का मौका दे रही है। टिकाऊ तीर्थ-पर्यटन, खेती-कुटीर उद्योग, पशुपालन और ऊर्जा उत्पादन के लिए भी उन्हें अपना एक मॉडल विकसित करना होगा। बाढ़ें, ग्लेशियरों का पिघलना और बर्फीली-चट्टानों का गिरना प्राकृतिक व्यवस्था का हिस्सा रहे हैं। मॉनसून प्रधान इस उपमहाद्वीप में, कई इंसानी कारकों और जलवायु परिवर्तन ने बाढ़ के बदलते स्वरूप में भूमिका निभाई।

इंसान ग्लेशियर और नदियों के व्यवहार को ध्यान से देखते रहे, लेकिन उन पर कब्जा भी करते रहे और प्रकृति के उन नियमों के उल्लंघन करते हैं, जिनका पालन वे सदियों से करते रहे। हिंदूकुश हिमालयी इलाके में सिर्फ 5 प्रतिशत जमीन खेती योग्य है। इसका ज्यादातर हिस्सा नदियों से बनी घाटियों में है। तथाकथित विकास ही इन घाटियों में सबसे बड़ा अतिक्रमणकारी है। हमने शायद ही कभी नाजुक पहाड़ों की गोद में और मुख्य केंद्रीय आघात क्षेत्र के पास बसे लोगों के लिए विकास के विशेष तरीकों बारे सोचा जो हो, जहां पर ज्यादातर आपदाएं पैदा होती हैं। भूकंप के लिहाज से संवेदनशील वी-आकार की घाटियों में बर्फ और चट्टानें नदियों का रास्ता रोकती हैं। नेपाल का बड़ा हिस्सा सिस्मिक गैप एरिया में आता है, जहां पिछले सौ-डेढ़ सौ सालों से कोई बड़ा भूकंप नहीं आया। जमा होती जा रही इस भू-ऊर्जा का दशकों तक बाहर न निकलना एक बड़े भूकंप का कारण बन सकता है। मौसम की मार से कोई भी चट्टान या बर्फ की ढलान खिसक सकती है। पुरानी जमी बर्फ़ और पानी युक्त ताजी बर्फ में फर्क होता है। पुरानी जमी बर्फ (परमाफ्रोस्ट) पर ताजी बर्फ तो सीधी जमा हो जाती है, लेकिन पानी नीचे बहने के लिए सबसे ढलान ढूंढ़ता है। तापमान वृद्धि के कारण ऊंची जगहों पर ओले या बर्फ गिरने के बजाय बारिश हो रही जिससे पानी की तबाही की ताकत कई गुना हो जाती है। 16-17 जून 2013 को केदारनाथ में ओले व बर्फ के बजाय बारिश हुई थी। छोटी चोराबाड़ी झील का बांध टूट गया। एक और वजह 24 घंटे में 400 मिमी बारिश थी। 1970 में बिरही-अलकनंदा बाढ़ के समय भी ऐसा हुआ, जब गौना झील टूटी थी। 7 फरवरी 2021 को रोंटी चोटी से बर्फ और चट्टान खिसकने से ऋषिगंगा में एक झील बन गई थी। यह झील फटी और दो हाइड्रो प्रोजेक्ट्स को तबाह कर दिया था, साथ ही 220 से ज्यादा जानें लील लीं-जिनमें से ज्यादातर मजदूर सुरंग के अंदर थे। तापमान बढ़ने से ग्लेशियर वाली झीलें कैसे बड़ी हो जाती हैं, यह तीस्ता बाढ़ से साफ पता चलता है, जब 3-4 अक्टूबर 2023 को दक्षिण ल्होनक ग्लेशियर झील फट गई थी।

जान-माल के नुकसान के साथ-साथ, 14,000 करोड़ रुपये की लागत वाला तीस्ता 3 प्रोजेक्ट तबाह हो गया था। यह ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड था और नेपाल में इनका खतरा बना रहता है। मई 2012 में भी, ऐसी ही एक बाढ़ से पोखरा में 60 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई थी। नेपाल में आने वाली विनाशकारी बाढ़ से ग्लेशियर की बर्फ़ बड़े पैमाने पर बहने और उससे निचले इलाकों में होने वाली जानलेवा घटनाओं के बीच संबंध समझा जा सकता है।

टूटती मर्यादाओं व नैतिक पराभव से सिसकती इंसानियत

हाल ही में पंजाब के बठिंडा जिले के गांव भाई बख्तौर में एक हृदयविदारक घटना सामने आई। यहां फसल खराब होने से परेशान होकर किसान सौदागर सिंह ने सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतक किसान ने अर्थराइटिस के कारण टाइटेनियम धातु से बने कृत्रिम घुटने लगवाए थे। हृदयहीनता की हद तो तब हो गई, जब अंतिम संस्कार के पश्चात अस्थियां चुनने के बहाने एक नशेड़ी ने चिता से वे कृत्रिम घुटने चुराए और थैले में डालकर भागने लगा।

सुरेश सेठ

मान्यता रही है कि अगर मानवीय मूल्यों को शिरोधार्य किया जाए, तो यह जिंदगी स्वर्ग ही बन जाए। विडंबना है कि आज अंध भौतिकवाद के चलते सुख-सुविधाएं जुटाने की अंधी दौड़ में मानवता का पराभव, आदर्शों का पतन और हर गैर-कानूनी काम को कानूनी बना देने की होड़ शुरू हो गई है। आर्थिक संपन्नता के लिए हमने मर्यादा, नैतिकता और सच्चरित्रता को बिसार दिया है। क्षणिक सुख के लिए हम वह सब कर गुजरने को तैयार हो जाते हैं, जिसकी कल्पना हमारे पूर्वजों ने भी नहीं की होगी। आज के दौर में सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण और साहित्य व ललित कलाओं से जीवन में नवस्फुरण पैदा कर देना बीते युग की बात हो गई है। आज जो अमर्यादित है, वही इस युग की पहचान बनता जा रहा है।

जब लोगों के सामने यह सच्चाई खुलकर आती है, तो मानवता शर्मसार होती नजर आती है। इन दिनों पंजाब और देश के अन्य हिस्सों में कुछ ऐसी अमानवीय घटनाएं घटी हैं, जिन्होंने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। हाल ही में पंजाब के बठिंडा जिले के गांव भाई बख्तौर में एक हृदयविदारक घटना सामने आई। यहां फसल खराब होने से परेशान होकर किसान सौदागर सिंह ने सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतक किसान ने अर्थराइटिस के कारण टाइटेनियम धातु से बने कृत्रिम घुटने लगवाए थे। हृदयहीनता की हद तो तब हो गई, जब अंतिम संस्कार के पश्चात अस्थियां चुनने के बहाने एक नशेड़ी ने चिता से वे कृत्रिम घुटने चुराए और थैले में डालकर भागने लगा। हालांकि, परिवारवालों की सतर्कता के कारण उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया। सवाल यह उठता है कि आखिर हमारी मानवीय संवेदनाएं कहां चली गई हैं? यह इतनी निकृष्ट हरकत है जो यह सोचने पर मजबूर कर देती है कि चोर अब चिताओं को भी नहीं बख्श रहे हैं। वहीं असम के गुवाहाटी से भी एक ऐसी वीभत्स घटना सामने आई है, जिसके बारे में कोई सामान्य इंसान सोच भी नहीं सकता।

यहां एक युवक ने अपनी 25 वर्षीय पत्नी रिया तालुकदार की बेरहमी से हत्या कर दी। उसने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया और दोनों हाथों की उंगलियां काटकर फ्रिज में छिपा दीं। मृतका का बिना सिर का शव फ्लैट में ही पड़ा रहा। जब उस बंद फ्लैट से असहनीय बदबू आने लगी, तो पड़ोसियों की शिकायत पर पुलिस ने दरवाजा तोड़ा। पुलिस ने मौके से शव बरामद कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया।

ये ऐसी घटनाएं हैं, जिनके बारे में सोचकर ही मन सिहर उठता है और अंतरात्मा बेचैन होकर रह जाती है। आखिर हम किस समाज की रचना कर रहे हैं? यह केवल संवेदनहीनता की बात नहीं, बल्कि पारिवारिक रिश्तों के पूरी तरह बिखर जाने की दास्तान है। उदाहरण के लिए, एक लाचार पिता मृत्युशैया पर पड़ा था और उसके दो बेटे विदेश में थे। उन बेटों ने आपस में यह निर्दयी फैसला किया कि एक भाई पिता की बीमारी के समय जाएगा और दूसरा उनके दाह-संस्कार पर। इस बीच पिता की मृत्यु हो गई, लेकिन दोनों में से कोई भी नहीं आया; बस अंतिम संस्कार के खर्च के लिए पैसे भिजवा दिए गए। जिन माता-पिता ने अपनी जीवनभर की कमाई लगाकर और अपनी जमीन-जायदाद बेचकर बच्चों को सुनहरे भविष्य के लिए विदेश भेजा था, आज पीछे छूटे खाली मकान उन रिश्तों की बाट जोह रही हैं। अब इस विकट समस्या का स्थायी समाधान तलाशना बेहद जरूरी हो गया है। आज विदेशों में भी भारतीय युवा पीढ़ी का पहले जैसा स्वागत नहीं किया जाता। वहां के स्थानीय लोग इन्हें कम वेतन पर काम करने और अपनी नौकरियां छिनने का जिम्मेदार मानते हैं। यही वजह है कि अब हर देश उन्हें वापस भेजने के रास्ते तलाश रहा है।

ऐसी विषम परिस्थितियों में भारत जैसे सर्वाधिक युवा आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। दुर्भाग्य से, यह बात राजनेताओं द्वारा केवल चुनावी मंचों से ही कही जाती है। युवा यथोचित रोजगार न होने से विदेशों की ओर दौड़ रहे हैं। फलतः भारत 'बुजुर्गों का देश' बनाता जा रहा है। सरकार की ओर से युवाओं को रोजगार देने के बड़े-बड़े दावे किए गए। नई शिक्षा नीति को रोज़गारपरक बनाने, देश को डिजिटल रूप से सशक्त करने और कृत्रिम मेधा के शिखर पर पहुंचाकर नए अवसर पैदा करने की बातें तो कही गईं। लेकिन ये सब महज कागजी सपने ही साबित हुए। रोजगार विहीनता के दलदल में फंसा युवा वर्ग नशे और निठल्लेपन की ओर बढ़ रहा है। यही सामाजिक और आर्थिक भटकाव अंततः उन्हें उन अमानवीय और घिनौने कृत्यों की ओर धकेल रहा है। सवाल यह उठता है कि खोखले दावों और नैतिक पतन का यह जानलेवा माहौल आखिर कब और कैसे बदलेगा?

लगातार उदासी होना

डिप्रेशन में व्यक्ति लंबे समय तक उदास, खाली या निराश महसूस कर सकता है। कई बार इसके पीछे कोई स्पष्ट कारण भी नजर नहीं आता। छोटी-छोटी बातों में खुशी महसूस न होना और भविष्य को लेकर नकारात्मक विचार बढ़ना भी इसका हिस्सा हो सकता है। अगर उदासी लगातार बनी रहे और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होने लगे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

नींद न आना

डिप्रेशन का असर व्यक्ति की नींद और खाने की आदतों पर भी पड़ सकता है। कुछ लोगों को रात में नींद नहीं आती या बार-बार नींद टूटती है, जबकि कुछ लोग सामान्य से ज्यादा सोने लगते हैं। इसी तरह किसी की भूख काफी कम हो सकती है तो कोई ज्यादा खाने लगता है। इसके कारण वजन में भी अचानक बदलाव देखने को मिल सकता है।

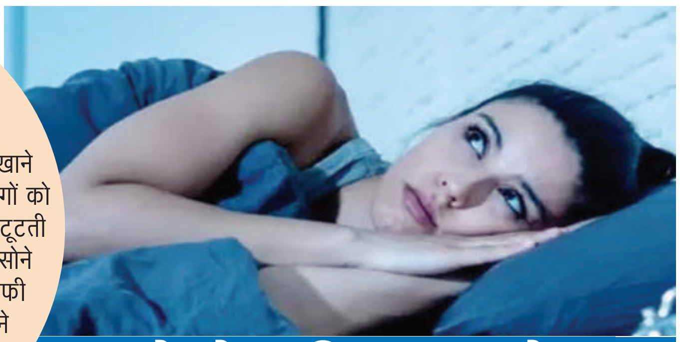

कामों में रुचि खत्म होना

डिप्रेशन का एक अहम संकेत यह है कि व्यक्ति उन कामों में भी दिलचस्पी खोने लगता है, जिन्हें वह पहले खुशी से करता था। दोस्तों से मिलना, घूमना, फिल्म देखना, खेलना या अपने पसंदीदा शौक में समय बिताना बोझ जैसा लग सकता है। धीरे-धीरे व्यक्ति सामाजिक गतिविधियों से भी दूरी बनाने लगता है। कामों में रुचि खत्म होना (जिसे मेडिकल भाषा में ऐनहेडोनिया कहा जाता है) यह शारीरिक या मानसिक थकान, बर्नआउट, या फिर अवसाद (डिप्रेशन) का शुरुआती मुख्य लक्षण हो सकता है।

थकान को नजरअंदाज न करें, हो सकते हैं डिप्रेशन के संकेत

ध्यान लगाने में परेशानी

डिप्रेशन के दौरान दिमाग पर नकारात्मक विचारों का दबाव इतना बढ़ सकता है कि व्यक्ति को किसी काम पर ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होने लगे। पढ़ाई या ऑफिस के काम में मन नहीं लगना, चीजें भूलना और छोटे-छोटे फैसले लेने में भी कठिनाई महसूस होना इसके संकेत हो सकते हैं। अगर ऐसी परेशानी लंबे समय तक बनी रहे और दैनिक जीवन प्रभावित हो, तो विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित है।

ऊर्जा की कमी

पर्याप्त नींद या आराम के बावजूद लगातार थकान महसूस होना भी डिप्रेशन का संकेत हो सकता है। व्यक्ति को सामान्य काम करने में भी काफी मेहनत महसूस हो सकती है। सुबह उठना, ऑफिस जाना, पढ़ाई करना या घर के जरूरी काम करना मुश्किल लग सकता है। यही कारण है कि कई लोग डिप्रेशन के शुरुआती लक्षणों को सामान्य थकान समझ लेते हैं।

रोजमर्रा की भागदौड़ में थकान, चिड़चिड़ापन या नींद में बदलाव को अक्सर हम सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर इसके साथ कुछ अन्य परेशानियां भी बनी रहें तो इन्हें सिर्फ थकान समझना सही नहीं है। अगर ये बदलाव लगातार कई दिनों या हफ्तों तक बने रहें और आपकी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगें, तो इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर लक्षणों को पहचानना और विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहद जरूरी है।

हंसना मना है

गोलू: भाई मुझे हाथ देखना आता है। मोलू : अच्छा मेरा देख जरा। गोलू: तुम्हारी हस्तरेखा बताती है कि तुम्हारे घर के नीचे बहुत धन है। मोलू: ठीक कहा- गोलू मेरे घर के नीचे SBI बैंक की ब्रांच है।

चिंटू डॉक्टर के पास गया, चिंटू- डॉक्टर साहब मुझे क्या बीमारी है? डॉक्टर- लड़कियों का पीछा करना छोड़ दो, चिंटू उससे क्या होगा? डॉक्टर- अगर लड़कियों का पीछा करना नहीं छोड़ोगे, तो जल्दी ही मर जाओगे, चिंटू डॉक्टर से- लड़कियों का पीछा करने से कोई कैसे मर सकता है? डॉक्टर- बोला- क्योंकि उनमें से एक लड़की मेरी भी है।

पत्नी: मैं तुम्हें कितनी अच्छी लगती हूं? पति: बहुत ज्यादा... पत्नी: फिर भी बताओ कितनी? पति: इतनी कि मन करता है तुम्हारे जैसी एक और ले आऊं...

चिंटू: मेरी जिंदगी साली नर्क होती जा रही है, यमराज: हा हा हा हा, चिंटू: कौन है भाई ? यमराज: तेरे पापों का घड़ा अब भर चुका है, चिंटू: तो मोटर बंद कर दे ना मेरे भाई, यमराज भी बेहोश।

कहानी | लालची कुत्ता

एक गांव में एक लालची कुत्ता रहता था। वह गांव में घूम-घूमकर खाने की तलाश करता था। वह इतना लालची था कि उसे जितना भी खाने के लिए मिलता था, उसे कम ही लगता था। गांव के दूसरे कुत्तों के साथ पहले उसकी अच्छी दोस्ती थी, लेकिन उसकी इस आदत की वजह से सभी उससे दूर रहने लगे, लेकिन उसे कोई फर्क नहीं पड़ा, उसे सिर्फ अपने भोजन से मतलब था। कोई न कोई आते जाते उसे खाने के लिए कुछ न कुछ दे ही देता था। उसे जो खाने को मिलता उसे वो अकेले ही चट कर जाता। एक दिन उसे कहीं से एक हड्डी मिल गई। हड्डी को देखकर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने सोचा कि इसका आनंद तो अकेले ही लेना चाहिए। यह सोचकर वो गांव से जंगल की ओर जाने लगा। रास्ते में वह पुल के ऊपर से नदी पार कर रहा था, तभी उसकी नजर नीचे नदी के ठहरे हुए पानी पर पड़ी। उस समय उसकी आंखों में सिर्फ हड्डी का लालच था। उसे यह भी पता नहीं चला कि नदी के पानी में उसका ही चेहरा नजर आ रहा है। उसे लगा की नीचे भी कोई कुत्ता है, जिसके पास एक और हड्डी है। उसने सोचा कि क्यों न उसकी भी हड्डी छीन लूं, तो मेरे पास दो हड्डियां हो जाएंगी। फिर मैं एक साथ दो हड्डियों के मजे से खा सकूंगा। ऐसा सोचकर वह जैसे ही पानी में कूदा, उसके मुंह से हड्डी सीधे नदी में जा गिरी। मुंह से छुटकर हड्डी के पानी में गिरते ही कुत्ते को होश आया और उसे अपने किए पर पछतावा हुआ।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। लालच करने से हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

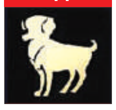

कार्यस्थल पर कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। व्यापार में उन्नति होगी। नए प्रोजेक्ट्स मिल सकते हैं। कार्य में व्यस्तता बनी रहेगी।

तुला

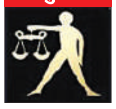

कार्यस्थल पर काम का बोझ अधिक रहेगा, मानसिक तनाव महसूस हो सकता है। कारोबारी को संपत्ति या वाहन संबंधी निर्णयों को आज के लिए टालना बेहतर रहेगा।

वृषभ

किस्मत का साथ मिलेगा। धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा। कारोबारी हैं तो लंबी दूरी की यात्रा या विदेश से जुड़े कार्यों में सफलता के योग हैं।

वृश्चिक

आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। छोटे भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। छोटी दूरी की व्यापारिक यात्राएं लाभदायक साबित होंगी।

मिथुन

कार्यस्थल पर विवादों से दूर रहें। गुप्त शत्रु परेशानी खड़ी कर सकते हैं। व्यापार में कोई भी नया जोखिम न उठाएं, उधारी देने से बचें। खानपान का ध्यान रखें।

धनु

दफ्तर में अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें, आपकी बात का गलत मतलब निकाला जा सकता है। पैसों के लेनदेन में सावधानी बरतें। धन संचय पर ध्यान दें।

कर्क

दैनिक रोजगार में वृद्धि होगी, सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। व्यापारिक साझेदारी में लाभ होगा। नए अनुबंध या सौदे फाइनल हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में मिठास बनी रहेगी।

मकर

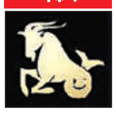

आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। सभी कार्य समय पर पूरे होंगे। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे, मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लव लाइफ शानदार रहेगी, पार्टनर के साथ समझ बढ़ेगी।

सिंह

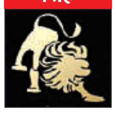

नौकरी-पेशा जातकों को कार्यस्थल पर सफलता मिलेगी। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी। कारोबारी हैं तो कोर्ट-कचहरी या पुराने विवादों में फैसला आपके पक्ष में आ सकता है।

कुम्भ

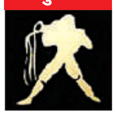

कार्यस्थल पर अनचाहा काम करना पड़ सकता है, धैर्य रखें। विदेश से जुड़े व्यापार में लाभ हो सकता है, लेकिन स्थानीय व्यापार में सतर्क रहें। बजट बिगड़ सकता है।

कन्या

नौकरी-पेशा को रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। छात्रों के लिए दिन अच्छा है। कारोबारी हैं तो शेयर बाजार या सट्टेबाजी जैसे जोखिमभरे निवेश से आज बचें।

मीन

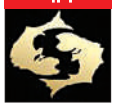

कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता मिलेगी, बड़े अधिकारियों का प्रोत्साहन मिलेगा। व्यापार में बड़ा धन लाभ होने के प्रबल योग हैं। लव पार्टनर से सरप्राइज या उपहार मिल सकता है।

मैसा : टीजर में दमदार एक्शन करती नजर आई रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना की पहली एक्शन फिल्म 'मैसा' का टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर से साफ है कि इसकी कहानी पिता-बेटी के रिश्ते के इर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म के टीजर में रश्मिका कई दुश्मनों से जूझते हुए अपने पिता को ढूंढने में जुटी हुई हैं। वो कभी कीचड़, कभी जंगल तो कभी पानी के अंदर दुश्मनों से भिड़ती नजर आ रही हैं। इस फिल्म में रश्मिका रफ एंड टफ और गुस्सैल अंदाज में नजर आ रही हैं। यह पहली बार है जब वो किसी हार्ड-कोर एक्शन रोल में नजर आएंगी। 'सीता रामम' के लिए पहचाने जाने वाले निर्देशक रविंद्र पुल्ले ने इस फिल्म में एक्शन, भावनाओं और भव्यता को एक साथ पिरोया है। यह एक्शन ड्रामा 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

टीजर में रश्मिका एक उग्र, रफ-टफ और गुस्सैल अंदाज में नजर आ रही हैं, जिसमें उनका ऐसा रूप देखने को मिल रहा है, जिसे दर्शकों ने इससे पहले कभी नहीं देखा। हाई-ऑक्टेन एक्शन से भरपूर यह झलक फिल्म की मूल कहानी की ओर भी इशारा करती है। यह एक एक शक्तिशाली पिता-बेटी के रिश्ते की कहानी। 'मायसा' पिता-बेटी के रिश्ते को एक नए अंदाज में पेश करती है, जहां भावनाएं, एक्शन और बड़े पैमाने पर फिल्माए गए दृश्यों का शानदार मेल देखने को मिलेगा।

कई चीजों का है मेल

'सीता रामम' में अपने प्रशंसित काम के लिए जाने जाने वाले निर्देशक रविंद्र पुल्ले ने इस फिल्म में एक्शन, भावनाओं और भव्यता को एक साथ पिरोया है। फिल्म एक ऐसी दिलचस्प दुनिया तैयार करती है, जिसके केंद्र में रश्मिका हैं। इसमें रश्मिका अपने दमदार अभिनय और बोल्ड नए अवतार से प्रभाव छोड़ती नजर आती हैं। 'मायसा' आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है।

नीम करौली बाबा की बेटी ने 15 बार देखी हनुमान अंश

हनुमान अंश बॉक्स-ऑफिस पर उम्मीद से कहीं ज्यादा सफल रही है और इसने दुनिया भर में 329.30 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। फिल्म की प्रोड्यूसर रागिनी सोना का मानना है कि इस सफलता में नीम करौली बाबा के आशीर्वाद का भी हाथ है। एक खास इंटरव्यू में, रागिनी ने फिल्म रिलीज होने से पहले बाबा की बेटी गिरिजा जी (अम्मा जी) से अपनी मुलाकात को याद किया और उनके साथ हुए उस अनुभव के बारे में बताया जिसने उनकी जिंदगी बदल दी।

एक इंटरव्यू में रागिनी सोना ने कहा, मैं नीम करौली बाबा की बेटी गिरिजा जी से मिली। हमने उनका कॉन्टैक्ट नंबर ढूंढने की कोशिश की और उनसे मिलने गए क्योंकि विशाल चतुर्वेदी भी चाहते थे कि हम एक बार उनका आशीर्वाद लें। हम तीनों-अम्मा जी, विशाल और मैं-के बीच

फोन पर बातचीत हुई, जिसमें हमने उनसे पूछा कि क्या वह फिल्म देखना चाहेंगी। उन्होंने कहा, हां, मैं फिल्म तब देखूंगी जब मुझे लगेगा कि सही समय आ गया है। अब तक बाबा की बेटी फिल्म को लगभग 15 बार देख चुकी हैं और हर बार उनकी आंखों से आंसू आ गए।

प्रोड्यूसर ने आगे कहा, फिर उन्होंने पूछा, प्लीज मुझे बताइए, आपको यह फिल्म बनाने की प्रेरणा कहां से मिली? मैंने छह साल की उम्र में नीम करौली बाबा से मिलने का अपना अनुभव बताया। विशाल ने बताया कि उन्हें यह फिल्म बनाने का विचार कैसे आया और अपनी रिसर्च के बारे में बात की। मैंने कहा, अम्मा जी, मेरे पिता नैनीताल में पोस्टेड थे। कोई इस बात पर यकीन नहीं करेगा, लेकिन क्योंकि विशाल कॉल पर थे, इसलिए वे इस चमत्कार के गवाह हैं।

अम्मा जी ने तुरंत मेरे पिता का नाम लिया, आगरा में मेरे पिता के घर की सही जगह बताई, और यह लगभग 50 साल पुरानी बात है। अम्मा जी ने कहा कि वे सब कुछ अपनी आंखों के सामने असल समय में देख सकती थीं। उन्होंने मेरे बड़े भाई का नाम भी लिया। मैं इससे बड़े किसी चमत्कार के बारे में सोच भी नहीं सकती।

रागिनी सोना ने आगे बताया कि उस अनुभव से वे कितनी भावुक हो गई थीं। उन्होंने कहा, मैं रो रही थी और मैंने उनसे पूछा,आपको यह सब कैसे पता? इस पर अम्मा जी ने जवाब दिया, मेरे पास तुम्हारे सवाल का कोई जवाब नहीं है, लेकिन मैं सब कुछ देख सकती थी। आखिर वह बाबा जी की बेटी हैं, और इस अनुभव के बाद मुझे यकीन हो गया कि बाबा ने ही मुझे इतने बड़े काम का हिस्सा बनने के लिए चुना था।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए सौरव गुर्जर

मुंबई एयरपोर्ट पर गाचीबोवली पुलिस ने अभिनेता और पूर्व डब्ल्यू डब्ल्यू ई रेसलर सौरव गुर्जर को हिरासत में लिया है। पुलिस ने उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। मजिस्ट्रेट ने अभिनेता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। यह कार्रवाई शादी का झूठा वादा करके यौन शोषण करने के आरोप में एक महिला की शिकायत पर की गई। हाल ही में मुंबई में महाभारत के अभिनेता और रेसलर सौरव गुर्जर के खिलाफ एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। महिला का आरोप था कि गुर्जर ने शादी का वादा करके उसे धोखा दिया और उसका यौन उत्पीड़न किया। शिकायत के मुताबिक, महिला की गुर्जर से जान-पहचान 2021 में इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। इसके बाद वॉट्सऐप पर उनके बीच करीबी रिश्ते बन गए।

जब फिल्म मेकर ने बेवजह ही मुझे शर्ट उतारने को कहा : राधिका आप्टे

इंलस्ट स्टोरीज 3 में नजर आ रही बेहतरीन एक्ट्रेस राधिका आप्टे ने फिल्मों में बेवजह की न्यूडिटी पर सवाल उठाए हैं। 41 साल की एक्ट्रेस ने फिल्मों के सेट पर होने वाली अजीब चीजों का जिक्र करते हुए अपने एक निजी अनुभव का भी खुलासा किया है, जहां बिना स्क्रिप्ट की मांग के इंटीमेसी और नग्नता पर जोर दिया गया। अपनी बेबाकी के लिए मशहूर राधिका ने बताया कि करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने कुछ फिल्मों में न्यूड और इंटीमेट सीन दिए। लेकिन इसके बाद यह मान लिया गया कि वो आगे भी ऐसे सीन्स में असहज नहीं होंगी। हद तो तब हो गई, जब एक फिल्ममेकर ने एक एक्शन सीन में उन्हें बेवजह शर्ट उतारने को कहा। बस इसलिए कि वह चाहते थे कि यह सीन इनरवियर में शूट हो। जबकि स्क्रिप्ट की ऐसी कोई डिमांड नहीं थी।

राधिका आप्टे ने जूम के साथ बातचीत में बताया कि कैसे उनके लिए यह मान लिया गया कि ये तो कर लेगी! राधिका ने साफ किया कि किसी भी ऐसे सीन के लिए हामी भरने से पहले वह ये समझना जरूरी मानती हैं कि आखिर कहानी में उसकी जरूरत क्या है।

राधिका ने बताया कि शुरुआती फिल्मों में न्यूड सीन देने के बाद उनको लेकर इंडस्ट्री के कुछ लोगों की सोच बदल गई। उन्हें लगने लगा था कि एक्ट्रेस ऐसे सीन्स के लिए आसानी से मान जाएंगी। उन्होंने कहा, शुरुआत में, मैंने चार-पांच फिल्में की थीं जिनमें मैं पूरी तरह न्यूड थी। बहुत से लोग सोचते थे, यह तो कर ही लेगी। इसलिए मुझे उन्हें बताना पड़ता था कि सुनिए मैं असल में ऐसा नहीं करूंगी। मैं पूछना चाहती हूं कि आप ऐसा क्यों चाहते हैं? आप क्यों चाहते हैं कि मैं अभी उसे किस करूं? वो इस पर कहते कि थोड़ा कर लो न। बहुत से लोगों से मुझे यही जवाब मिलता है। आपको हैरानी होगी। बस थोड़ी सी किसिंग, 15 सेकंड का इम्प्रोवाइजेशन।

आईएएस तुकाराम मुंढे की मुरीद हुई मल्लिका शेरावत

मल्लिका शेरावत भी आईएएस तुकाराम मुंढे की मुरीद हो गई हैं। 49 साल फूड सेफ्टी को लेकर कदम की तारीफ की है। उन्होंने इडली-चटनी खाते हुए एक वीडियो शेयर किया है और कहा कि तुकाराम मुंढे जी का धन्यवाद, उनकी वजह से ही शांति से बिना किसी चिंता के वह यह खाना खा सकती हैं। महाराष्ट्र में तुकाराम मुंढे की अगुवाई में स्नष्ठ की कार्रवाई इन दिनों लगातार चर्चा में है। विभाग ने राज्य के कई स्टोरेंट, होटल, फूड आउटलेट्स और दूसरे खाद्य कारोबारों के खिलाफ कड़ी जांच और कार्रवाई की है। मनोज बापजेयी के बाद अब बॉलीवुड से मल्लिका शेरावत की तारीफ चर्चा का हिस्सा बन गया है। एक्ट्रेस का यह वीडियो ऐसे समय में भी आया है, जब पान मसाला सरोगेट विज्ञापन के मामले में शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को नोटिस भेजा है। मल्लिका शेरावत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह इडली और चटनी खाती हुई नजर आ रही हैं। वीडियो में उन्होंने तुकाराम मुंढे की तारीफ करते हुए कहा, आपकी वजह से अब मैं बिना किसी चिंता के खाना खा सकती हूं। आपके सख्त नियमों और आदर्शों की वजह से हम सब सुरक्षित हैं। आपकी पैनी नजर से कुछ भी नहीं बचता। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

नितीश-आशुतोष 3 पिस्टल, 12 कारतूस और दो फॉर्च्यूनर के साथ गिरफ्तार

» पुलिस उसके नशे के नेटवर्क के साथ बिटक्वाइन और दूसरे धंधों की कर रही है तलाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पुलिस ने कृष्णा पल्ली/गीता पल्ली निवासी आशुतोष मिश्रा पुत्र संजय मिश्रा और विक्की उर्फ नितीश श्रीवास्तव पुत्र श्याम बिहारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से तीन अवैध 32 बोर पिस्टल, 12 कारतूस, तीन मोबाइल फोन, दो फॉर्च्यूनर वाहन और 53,580 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने मु.अ.सं. 135/2026 के तहत धारा 3/25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। हथियारों की बरामदगी के बाद अब पुलिस का फोकस सिर्फ गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। जांच इस सवाल पर केंद्रित है कि आखिर ये हथियार कहां से आए, इन्हें किसने उपलब्ध कराया और इनके पीछे कोई संगठित आपूर्ति तंत्र तो सक्रिय नहीं था।

पुलिस के अनुसार बरामदगी के बाद आरोपियों से जुड़े दूसरे पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। खासतौर पर विक्की उर्फ नितीश से जुड़े नशीली दवाओं के कारोबार, फर्जी कॉल सेंटर और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की जांच की जा रही है।

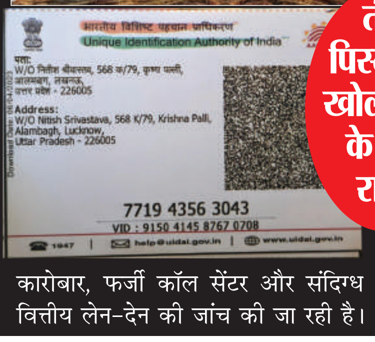

तीन पिस्टल ने खोले जांच के कई रास्ते

जांच का दायरा अब डिजिटल सबूतों तक पहुंच गया है। बरामद तीन मोबाइल फोन पुलिस के लिए अहम कड़ी माने जा रहे हैं। इनमें मौजूद कॉल डिटेल, संपर्क, डिजिटल बातचीत और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस संभावित सहयोगियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

मोबाइल और पैसों के पीछे छिपे नेटवर्क की तलाश

पुलिस अब बरामदगी से आगे बढ़कर पूरे संभावित नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। कौन किसके संपर्क में था, हथियारों की आपूर्ति कहां से हुई कथित नशे के कारोबार से किन लोगों का संबंध है और वित्तीय लेन देन किन माध्यमों से हुआ इन सवालों के जवाब डिजिटल और वित्तीय साक्ष्यों से तलाशे जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट में कार्रवाई की है। नशे के कारोबार फर्जी कॉल सेंटर नेपाल कनेक्शन अथवा क्रिप्टो लेन-देन से जुड़े आरोप जांच के स्तर पर हैं। पुलिस का कहना है कि जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल कनेक्शन और क्रिप्टो एंगल भी जांच के घेरे में

पुलिस की प्रारंभिक जांच में कथित गतिविधियों के नेपाल कनेक्शन की आशंका की भी पड़ताल की जा रही है। इसके साथ ही USDT अथवा अन्य क्रिप्टोकरेंसी के संभावित इस्तेमाल से जुड़े वित्तीय लेन-देन की भी जांच की जा रही है। अगर डिजिटल और वित्तीय जांच में कोई ठोस कड़ी सामने आती है तो मामला केवल अवैध हथियार रखने तक सीमित नहीं रह सकता। दो फॉर्च्यूनर वाहनों की बरामदगी और 53,580 रुपये नकद भी जांच का हिस्सा हैं। पुलिस इन संपत्तियों और रकम के स्रोत तथा इनके इस्तेमाल की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

जमुई छेड़खानी कांड के 2 आरोपियों का एनकाउंटर

» गोली लगने से नंदन यादव घायल, हरेराम का टूटा पैर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जमुई। बिहार के जमुई जिले में नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। मामले में फरार चल रहे 2 आरोपियों के एनकाउंटर की सूचना है। पुलिस के साथ हुई इस मुठभेड़ में एक आरोपी के पैर में गोली लगने और दूसरे आरोपी का पैर टूटने की जानकारी सामने आ रही है। मुठभेड़ के बाद दोनों आरोपियों को जमुई सदर अस्पताल ले जाया गया है। आरोपियों को अस्पताल ले जाए जाने का वीडियो भी सामने आया है। बता दें कि बीते दिनों हुई छेड़खानी की घटना का वीडियो वायरल हुआ था।

इसके बाद पुलिस प्रशासन ने अपराधियों के खिलाफ बड़ा और आक्रामक अभियान छेड़ा है। आरोपितों की धरपकड़ के लिए जिले के विभिन्न संभावित ठिकानों पर चलाए गए सघन छापामारी की गई। इसी दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच कथित तौर पर मुठभेड़ होने की सूचना सामने आई है। सूत्रों से मिली प्राथमिक जानकारी के अनुसार, इस कार्रवाई के दौरान एक आरोपित के पैर में गोली लगी है, जबकि दूसरे का पैर टूट गया है। बताया जाता है कि पुलिस टीम जब दबिश दे रही थी, तभी अपराधियों से आमना-सामना हो गया। इस दौरान हुई कार्रवाई में मुख्य रूप से नंदन यादव नामक आरोपित के पैर में गोली लगने की बात कही जा रही है। वहीं, उसके साथी हरेराम यादव का पैर टूटने की जानकारी मिली है। हालांकि, मुठभेड़ की इस पूरी घटना को लेकर पुलिस के वरीय अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। घटना के तुरंत बाद पुलिस अभिरक्षा में घायल नंदन यादव और हरेराम यादव को उपचार के लिए जमुई सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

छात्र खुदकुशी मामलाः आईआईटी बॉम्बे के हॉस्टलों से हटाए जाएंगे सीलिंग फैन

» जांच के बीच लिया गया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्र साहिल वाकोडे की खुदकुशी के बाद प्रशासन ने हॉस्टलों से सीलिंग फैन (छत के पंखे) हटाकर उनकी जगह वॉल-माउंटेड (दीवार पर लगने वाले) पंखे लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दूसरी तरफ, इस मामले में फैकल्टी फोरम के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. राजकुमार पंत ने संस्थान के शिक्षकों का बचाव करते हुए सोशल मीडिया ट्रायल पर गहरी चिंता जताई है।

महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के रहने वाले और ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग के छात्र साहिल वाकोडे शुक्रवार शाम पवई स्थित कैंपस के हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटके मिले थे। आरोप है कि मिड-सेमेस्टर परीक्षा के दौरान उन्हें कथित तौर पर मोबाइल फोन के जरिए चैटजीपीटी का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था, जिसके कुछ ही घंटों बाद उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठा लिया।

छात्रों की खुदकुशी की घटनाओं को रोकने के लिए आईआईटी बॉम्बे ने हॉस्टलों और अन्य उपयोगिता वाले क्षेत्रों से सीलिंग फैन हटाकर वॉल-माउंटेड पंखे लगाने का फैसला किया है। कैंपस में पंखों की नई खेप पहुंचने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल भी हुई हैं। संस्थान में इससे पहले जुलाई में भी एक छात्र की खुदकुशी के बाद इस पर चर्चा हुई थी।

यूपी में 10 रास सीटों पर चुनाव का ऐलान

» 16 अक्टूबर को वोटिंग, 25 नवंबर को पूरा हो रहा है कार्यकाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटें और उत्तराखंड की एक राज्यसभा सीट मिलाकर कुल 11 सीटों पर 16 अक्टूबर को चुनाव होगा। जानकारी के लिए बता दें कि यूपी के 10 राज्यसभा सांसदों का कार्यकाल 25 नवंबर को पूरा हो रहा है। मौजूदा समय में इन 10 में से 8 सीटों पर बीजेपी, एक पर समाजवादी पार्टी और एक पर बहुजन समाज पार्टी का कब्जा है। बीजेपी सदस्यों में पूर्व डीजीपी बृजलाल, सीमा द्विवेदी, नीरज शेखर, गीता शाक्य, हरदीप सिंह पुरी, अरुण सिंह और बीएल वर्मा शामिल हैं।

वहीं, डॉ. दिनेश शर्मा का कार्यकाल भी 25 नवंबर तक था लेकिन अंडमान और निकोबार का उपराज्यपाल बनाए जाने के बाद उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया। इसलिए उस एक सीट पर भी चुनाव होना है। इसके अलावा, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव और बसपा के रामजी गौतम का कार्यकाल भी इसी समय पूरा हो रहा है। मालूम हो, उत्तर प्रदेश विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं. बीते एक साल के अंदर विधानसभा के 6 सदस्यों की मृत्यु हो गई है. इसलिए 397 सदस्य मिलकर राज्यसभा की 10 सीटों के लिए मतदान करेंगे. फॉर्मूला के अनुसार, यूपी में राज्यसभा की एक सीट के लिए कम से कम 37 वोट होने चाहिए, लेकिन बसपा के विधानसभा सदस्य उमाशंकर के निधन के बाद विधानमंडल में बसपा का कोई सदस्य नहीं है. ऐसे में राज्यसभा में इकलौते सदस्य का कार्यकाल पूरा होने के बाद बहुजन समाज पार्टी वहां भी शून्य हो जाएगी।

समाजवादी पार्टी को मिल सकती हैं दो सीटें

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के 101 विधायक हैं। ऐसे में अखिलेश यादव की पार्टी को दो सीटें आसानी से मिल सकती हैं, बशर्ते क्रॉस वोटिंग न हों। अगर राज्यसभा चुनाव से पहले अखिलेश के विधायक टूटते हैं तो पार्टी अपनी एक राज्यसभा सीट खो सकती है।

वंदे मातरम पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

» सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सीनियर एडवोकेट मुरलीधर के बीच तीखी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 'वंदे मातरम' के छह अंतरे का गायन अनिवार्य करने वाले कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। गायक टी. एम. कृष्णा ने याचिका दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि कानून बनाना नक्सलियों के हिसाब से नहीं होना चाहिए। सीनियर एडवोकेट डॉ. एस. मुरलीधर ने एसजी की इस टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें यह बात वापस लेनी चाहिए।

वंदे मातरम पूरा अनिवार्य किए जाने के खिलाफ याचिका

यह लाइव चल रहा है। यह गैर-जरूरी था. कुछ मर्यादा बनाए रखनी चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि हम कानून के अधिकारियों से ऐसी उम्मीद नहीं करते। इस दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सीनियर एडवोकेट मुरलीधर के बीच तीखी बहस हुई। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस जे बागची ने कहा कि हमने इस पर ध्यान नहीं दिया है. इसके बाद सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि मैंने जो कहा है उसे मैं दोहरा सकता हूं। कानून के हिसाब से ही चलना होता है. मैंने जो कहा, उसके लिए मुझे कोई अफ़सोस नहीं है। इस पर वरिष्ठ वकील मुरलीधर ने कहा कि वो फिर से वही बात दोहरा रहे हैं. अब मुझे कड़ा विरोध दर्ज कराना होगा. इसके बाद सीनियर वकील संजय हेगड़े ने कहा कि सोचने का मतलब नक्सली होना नहीं है।

जज की कार्यप्रणाली पर प्रशांत भूषण ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में आरोपी आशीष मिश्रा से जुड़े मुकदमे की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने संबंधित न्यायाधीश की कार्यप्रणाली को लेकर सुप्रीम कोर्ट के सामने गंभीर सवाल उठाए। आशीष मिश्रा पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे हैं और अक्टूबर 21 की लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में आरोपी हैं इस मामले में प्रदर्शन कर रहे किसानों को कथित तौर पर वाहनों से कुचले जाने के बाद पांच लोगों की मौत हुई थी। शिकायतकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि मामले की सुनवाई कर रहे जज से जुड़े कुछ परेशान करने वाले घटनाक्रम सामने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित जज ने एनडीपीएस और एससी-एसटी एक्ट से जुड़े मामलों को अपने पास लेकर उनमें जमानत दी और ऐसे कुछ मामलों में आरोपियों को बरी भी किया, जब सुनवाई अंतिम चरण में थी।भूषण ने कहा कि लखीमपुर खीरी मामले में भी जज ने पहले एक प्रत्यक्षदर्शी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया. उनका कहना था कि इस मामले में ही नहीं, बल्कि कई अन्य मामलों में भी जज की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठे हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**